Recent Addressed Cases from Date 25th November 2023 to 19th November 2025
Case no. ICC 25 TO ICC no. 75

आंतरिक शिकायत समिति
लखनऊ विश्वविद्यालय
लखनऊ

विश्वविद्यालय की यौन उत्पीड़न नीति को आंतरिक निवारण की एक सुलभ, संवेदनशील और प्रभावी प्रणाली प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि शिकायतकर्ता बिना किसी व्यवधान के अपनी शैक्षणिक या व्यावसायिक गतिविधियों को जारी रख सकें। यह नीति एक शैक्षिक, निवारक, सुधारात्मक और आवश्यकतानुसार दंडात्मक दृष्टिकोण अपनाती है।

विशाखा निर्णय (1997) और कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 के अनुरूप, विश्वविद्यालय यौन उत्पीड़न को संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 19(1)(g) और 21 का उल्लंघन मानता है।

लखनऊ विश्वविद्यालय में आंतरिक शिकायत समिति (ICC) का गठन 2013 के अधिनियम के तहत छात्रों और कर्मचारियों द्वारा उठाई गई चिंताओं का समय पर और सुलभ निवारण प्रक्रिया के माध्यम से समाधान करने के लिए किया गया है - जिसे आमतौर पर 45 दिनों के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। यह व्यवस्था सुनिश्चित करती है कि शिकायतकर्ताओं को अपनी शैक्षणिक या व्यावसायिक प्रगति में कोई रुकावट न आए।

आईसीसी में एक महिला अध्यक्ष, लैंगिक न्याय के लिए प्रतिबद्ध संकाय और गैर-शिक्षण कर्मचारी, तीन छात्र प्रतिनिधि और एक मान्यता प्राप्त गैर-सरकारी संगठन का एक बाहरी सदस्य शामिल होता है। स्वायत्तता बनाए रखने के लिए, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी समिति का हिस्सा नहीं होते हैं। सदस्य (छात्रों के अलावा) तीन साल का कार्यकाल पूरा करते हैं और शिकायतें किसी भी आईसीसी सदस्य को प्रस्तुत की जा सकती हैं।

आईसीसी की प्रक्रियाएँ गोपनीयता, गैर-जबरदस्ती और निष्पक्ष जाँच के सिद्धांतों द्वारा निर्देशित होती हैं। जहाँ आवश्यक हो, तत्काल निरोधक आदेश जारी किए जाते हैं। निवारण उत्पीड़न को रोकने, जागरूकता बढ़ाने और पदानुक्रमिक मामलों में शून्य सहनशीलता लागू करने पर केंद्रित है। अनुसंधान पर्यवेक्षण के नैतिक मानदंड व्यावसायिकता, पारदर्शी बैठक स्थल और शिकायतों को अनिवार्य रूप से अग्रेषित करने पर ज़ोर देते हैं।

प्रोफेसर अंचल श्रीवास्तव की अध्यक्षता वाली आईसीसी में वर्तमान में एक महिला कानूनी सलाहकार सहित 13 सदस्य हैं, और यह अनुसूचित जाति के संकाय और गैर-शिक्षण कर्मचारियों सहित विविध श्रेणियों, लिंगों, विभागों और कर्मचारी समूहों का प्रतिनिधित्व करती है। समिति शैक्षिक, निवारक, सुधारात्मक और आवश्यकतानुसार दंडात्मक उपाय अपनाती है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि पूछताछ संवेदनशीलता, कठोरता और निष्पक्षता के साथ की जाए।

हाल ही में, आईसीसी ने कई मामलों की जाँच की, जिनमें छात्राओं द्वारा पुरुष छात्रों और एक पुरुष संकाय सदस्य के विरुद्ध की गई शिकायतें, साथ ही एक महिला कार्यालय सहायक द्वारा एक पुरुष सहकर्मी के विरुद्ध की गई शिकायत शामिल है। निष्पक्ष और न्यायसंगत समाधान सुनिश्चित करने के लिए, पूरी प्रक्रिया के दौरान कड़ी गोपनीयता बनाए रखते हुए, सभी पक्षों के लिखित बयान, वीडियो साक्ष्य और जिरह की जाती है।

Recent Addressed Cases from Date 25th November 2023 to 19th November 2025
Case no. ICC 25 TO ICC no. 75

File Page No.	Date of Complaint Received	Date of Final Recommendations by the ICC
ICCR 3		21st August 2023
ICCR 4	21st August 2023	18th January 2024
ICCR 11	8th December 2023	23rd February 2024
ICCR 12	23rd December 2023	23rd February 2024
ICCR 18	17th May 2024	17th May 2024
ICCR 20	17th May 2025	17th May 2025
ICCR 22	5th July 2024	7th September 2024
ICCR 24	26th July 2024	26th July 2024
ICCR 23	5th July 2024	5th July 2024
ICCR 30	28th October 2024	26th November 2024
ICCR 34	16th December 2024	27th March 2025
ICCA 8	28th March 2025	28th March 2025
ICCA 10	7th April 2025	6th May 2025
ICCA 11	11th April 2025	28th April 2025
ICCA 16	28th April 2025	6th May 2025
ICCA 16	1st May 2025	6th May 2025
ICCA 17	26th May 2025	30th May 2025
ICCA 18	30th May 2025	30th May 2025
ICCA 18	26th May 2025	30th May 2025
ICCA 18	26th July 2025	14th August 2025